

आईआईटी इंदौर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब्स व 4 टीटीआरपी की वर्कशॉप आयोजित

30 स्टार्टअप ने उत्पाद व आइडियाज प्रदर्शित किए, प्रतिनिधि भी हुए शामिल

भास्कर संवाददाता/इंदौर

डीप टेक को और मजबूती देने का काम

आईआईटी इंदौर में देशभर के 25 आईआईटी संस्थान में चल रहे टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब्स (टीआईएच) और 4 नए घोषित हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (टीटीआरपी) के लिए राष्ट्रीय वर्कशॉप आयोजित की गई। इसका उद्देश्य था देशभर के साइबर फिजिकल सिस्टम्स के क्षेत्र में काम कर रहे इन्यूवेशन सेंटर, शोधकर्ता, औद्योगिक प्रतिनिधि और इनोवेशन हब्स का सामूहिक आयोजन करना। यह ऐसी 6ठी राष्ट्र स्तरीय वर्कशॉप थी। आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) के नेशनल मिशन ऑन इंटर डिस्प्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स के तहत किया गया।

आईआईटी इंदौर के इन्यूवेशन सेंटर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया दो दिनी आयोजन में 25 आईआईटी में संचालित टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के 30 स्टार्टअप भी शामिल हुए। इसके अलावा देश के 4 नए टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (टीटीआरपी) आईआईटी इंदौर, आईआईटी कानपुर, आईआईएससी बेंगलुरु और आईआईटी धनबाद को भी शामिल किया गया था।



कार्यक्रम में इन्फोसिस के को-फाउंडर क्रिस गोपालकृष्णन, डीएसटी के पूर्व सचिव आशुतोष शर्मा, आईआईएससी के पूर्व निदेशक अनुराग कुमार आदि भी शामिल हुए। कार्यक्रम की मेजबानी की आईआईटी इंदौर के इन्यूवेशन सेंटर दृष्टि सीपीएस ने की, वहीं अध्यक्षता की आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने। कार्यक्रम में भारत सरकार के कुछ प्रमुख विभाग जैसे मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज, भारत सरकार के साइबर सिक्यूरिटी डिवीजन और महू के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के डिप्टी कमांडेंट भी शामिल हुए थे। डीएसटी के सचिव अभय करंदीकर ने कहा जैसे-जैसे भारत खुद को डीप टेक के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा, वैसे-वैसे ये बेहद जरूरी है कि इससे जुड़ी शैक्षणिक संस्थाएं, उद्योग, निवेशक और सरकारी अंग एक साथ काम कर डीप टेक को और मजबूती दें।